2. वर्ण और वर्णमाला

वर्ण भाषा के मोती होते हैं जिन्हें उचित क्रम में जोड़ने से वर्णमाला बनती है। भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके टुकड़े नहीं किए जा सकते, वर्ण कहलाती है।

❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को वर्णों की पुनरावृत्ति कराएँ।
❖ बताएँ, वर्ण को अक्षर भी कहते हैं।
❖ समझाएँ, हिंदी वर्णमाला में स्वर और व्यंजन दो प्रकार के वर्ण होते हैं। स्वरों की संख्या 11 है तथा व्यंजन संख्या में 33 होते हैं। 4 संयुक्त व्यंजन भी होते हैं।
❖ बताएँ, प्रत्येक व्यंजन में 'अ' शामिल होता है। बिना अ स्वर के व्यंजन आधा होता है– क्, ख्, घ् आदि।
❖ बच्चों को वर्णमाला के 4 संयुक्त व्यंजनों से परिचित करवाएँ।
क् + ष = क्ष, त् + र = त्र, ज् + ञ = ज्ञ तथा श् + र = श्र
इनका शुद्ध उच्चारण तथा लेखन करवाएँ।
❖ अं और अः हिंदी वर्णमाला के दो आयोगवाह हैं। इनसे अवगत कराएँ। अं को अनुनासिक कहते हैं तथा अः विसर्ग रूप में संस्कृत शब्दों में लगाया जाता है।
❖ बच्चों को ड़-ड तथा ढ़-ढ का भेद भी स्पष्ट करें। जैसे– पेड़-डमरू, पढ़ना-ढक्कन आदि शब्द बुलवाकर इनका उच्चारण अंतर बताएँ। यह भी बताएँ कि ड़ और ढ़ से कभी कोई शब्द शुरू नहीं होता है।
❖ 'ऑ' आगत स्वर के रूप में हिंदी वर्णमाला में प्रयोग होता है। इसका प्रयोग अंग्रेजी शब्दों के लिए होता है, कॉफ़ी, बॉल आदि।
❖ प्रत्येक बच्चे पर ध्यान दें। सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बच्चा सही प्रकार से पाठ समझ पा रहा है।
❖ पाठ अभ्यास करवाने में यथोचित सहायता करें।